राजयोग से आती है जीवन में कुशलता - सुभाष घई

मुम्बई, बोरिवली (प)। संस्थान द्वारा सिखाये जा रहे राजयोग से कर्म में कुशलता आती है तथा जीवन में सुख, शांति की अनुभूति होती है। जिससे व्यक्ति सही और गलत का निर्णय स्वयं करने में सक्षम हो जाता है।

उक्त उद्गार मुम्बई के फिल्म प्रोड्युसर व डायरेक्टर सुभाष घई ने 'प्लेटिनम जुबली महोत्सव' पर आयोजित छ: दिवसीय 'शांति अनुभूति आध्यात्मिक मेले' का 'शिव ध्वज' फहराकर उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज् के द्वारा दिए जा रहे ज्ञान से परम सत्य की पहचान मिलती है। उन्होंने अपने अनुभव में बताते हुए कहा कि आस्था चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम 'अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज्' मैं प्रतिदिन देखता हूँ। इससे हमारे जीवन में बहुत ही परिवर्तन आया है।

विधायक गोपाल शेट्टी ने कहा कि यह संस्था नि:स्वार्थ भाव से पिछले 75 वर्षों से देश की तथा समाज की सेवा करती आ रही है। उन्होंने कहा कि जब से मैं इस संस्था के सम्पर्क में आया हूँ तब से मैं अपने दैनिक जीवन में मूल्यों का महत्व महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि जीवन में स्थायी शांति राजयोग के द्वारा ही आ सकती है।

ब्र.कु.दिव्यप्रभा ने कहा कि वर्तमान समय शांति और एकाग्रता के महत्व को स्पष्ट करने के उद्देश्य से ही इस आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का शांत व एकाग्र मन अनेक दिव्य शक्तियों का पूंज है। इस शक्ति का उपयोग कर जीवन में आशातीत सफलता प्राप्त किए जा सकते हैं। ब्र.कु.बिन्दु ने कहा कि जिस तरह सड़क पर ट्राफिक लाईट, ट्राफिक को कंट्रोल करने में मदद करती है उसी प्रकार मन के तेज संकल्पों की ट्राफिक को कंट्रोल करने के लिए शांति के सागर परमात्मा पिता की याद में बिताए हुए शांति के कुछ पल अत्यंत लाभदायक होते हैं।

इस मेले का मुख्य आकर्षण चैतन्य झांकी, शांति अनुभूति कुटीर, राजयोग प्रदर्शनी, स्वस्थ जीवन के अनमोल रहस्य, वैल्यू गेम्स आदि रहे जिसमें राजयोग के अभ्यास के लिए स्वयं की पहचान, परमात्मा से योग तथा शक्तियों का ज्ञान, परमात्मा से मिलन तथा शांति अनुभूति करने के लिए 'शांति अनुभूति कुटीर मंडप' बनया गया जिसमें कमेंट्री के द्वारा राजयोग का अभ्यास कराया

शेष पृष्ठ ।। पर

शांति अनुभूति आध्यात्मिक मेले की झलकियां

- चैतन्य देवियों की भव्य झांकी।
- परमात्मा के साथ योग मल्टीमीडिया के द्वारा दर्शाया गया।
- शांति अनुभूति कुटीर।
- लघु नाटिका के माध्यम से समस्या का निवारण
- स्वस्थ रहने के लिए चित्रावलोकन प्रदर्शनी।

बोरीवली। आध्यात्मिक मेले का उद्घाटन करते हुए फिल्म प्रोड्युसर सुभाष घई, गायक बप्पी लहरी, सांसद निरूपम राव एवं ब्र.कु.दिव्यप्रभा।

जीवन में आध्यात्मिकता व नैतिक मूल्यों को अपनायें - कृष्णा तीर्थ

करोल बाग, नई दिल्ली। देश से गरीबी हटाने तथा देश को प्रगति की ओर ले जाने के लिए आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

उक्त उद्गार केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री कृष्णा तीर्थ ने ब्रह्माकुमारीज् द्वारा अजमल खाँ पार्क में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि देश में गरीबी तथा अनेक समस्याओं का मूल कारण चरित्रहीनता एवं मानवीय मूल्यों में ह्रास होना है। इसलिए सर्वप्रथम व्यक्ति को आध्यात्मिक ज्ञान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार को ब्रह्माकुमारी जैसी आध्यात्मिक संस्थाओं का सहयोग लेना चाहिए तथा उन्हें अपने कार्यक्रमों में शामिल करना चाहिए।

दिल्ली जल बोर्ड के मजिस्ट्रेट गोपाल कृष्ण शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार बूंद-बूंद से सागर बनता है वैसे ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण श्रेष्ठ व्यक्तियों के गठन से होता है। उन्होंने कहा कि ईमानदार व आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न व्यक्ति अपने आचरण से समाज को एक नई दिशा दे सकता है।

आचार्य महामंडलेश्वर सर्वानंद सरस्वती ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था कोई मजहब या कल्चर नहीं है बल्कि यह एक जीवन की धारा है जो कि आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से जीवन को सुखमय बनाने का कार्य करती है।

पार्षद मंदीप कौर बक्शी ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज् द्वारा दिया जा रहा ज्ञान न केवल आध्यात्मिक है बल्कि वैज्ञानिक एवं धर्म निरपेक्ष है। जिसका लाभ समाज के हर वर्ग का व्यक्ति ले सकता है।

नई दिल्ली। शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री कृष्णा तीर्थ, गोपाल कृष्ण शर्मा, महामंडलेश्वर सर्वानंद सरस्वती, ब्र.कु.बृजमोहन एवं ब्र.कु.आशा।

प्योरिटी पत्रिका के संपादक ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी भारतवासी परमात्मा को पहचानकर उनसे योगयुक्त होकर इस धरा पर पुन: दैवी संस्कृति की स्थापना कर सकते हैं।

ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु.आशा ने कहा कि यह शिवरात्रि महोत्सव परमात्मा के अवतरण की यादगार में मनाया जाता है। जिससे यह सिद्ध होता है कि परमात्मा सर्वव्यापी नहीं है। परमात्मा की सर्व व्यापकता ह्रदय की एक भावना है ना कि वास्तविकता।

इस कार्यक्रम को टी.टी.लि. के अध्यक्ष आर.सी.जैन, ए.आर.एस.एस.इंफ्रास्ट्रक्चर के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, कनुप्रिया ने भी संबोधित किया तथा कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु.पुष्पा ने किया।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये

विदेश - 1800 रूपये (वार्षिक)

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510,
Enquiry For Membership - 9414006096
(M)- 9414154344, Email: mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, Website: w.w.w.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।